कोई भी कृषि कार्य काने से पहले कृपया भारत सरकार/ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करें।

अक्टूबर 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियां

वर्तमान आसमान में बादल छाए रहने और कम दबाव के कारण रुक.रुक कर होने वाली वर्षा से धान के खेत में बीमारियों और कीटों की संख्या को बढ़ावा मिलेगी। इसके अलावा, तापमान कम होने से फसल में फूल लगने के बाद आभासी कंड जैसे बीमारियां हो सकती है। इसलिए, किसानों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और आवश्यकता आधारित नियंत्रण उपाय करें।

- यदि भूरा पौध माहू (बीपीएच) की संख्या लागत.लाभ सीमा स्तर (ईटीएल) अर्थात 5.10 कीट/पूंजा से अधिक है, तो धान के खेत को वैकल्पिक रूप से गीला और सुखाने की तकनीक (लंबे समय तक खेत में पानी खड़ा नहीं होना चाहिए) अपनाने की सलाह दी जाती है। यदि फिर भी समस्या बनी रहती है, तो ट्राइफ्लुमेजोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ दर पर या पाइमेट्रोजिन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड दर पर या डाइनोटफ्यूरन 20% एसजी 80 ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिली/एकड़ या फ्लोनिकैमिड 50% डब्ल्यूजी 60 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से बचें।
- यदि गंधी बग का प्रकोप देखा जाता हैः एथोफेनोप्रोक्स 10 ईसी/200 मिली/एकड दर पऱ 200 लीटर पानी के साथ पर्णीय छिड़काव करें या सुबह के समय, जब हवा नहीं होती है या न्यूनतम हवा होती है, मालाथियान 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर पर समान रूप से एक झाड़ दें।
- यदि इल्लियों का प्रकोप देखा जाता हैः क्विनॉलफॉस 25 ईसी 400 मिली/एकड़ या क्लोरोपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड दर पऱ प्रयोग करें और इसे सुबह के समय फसल के मूल पर छिड़काव करें।
- एक-दो दौजियों में आच्छद अंगमारी रोग दिखाई देने पर, 75% प्रोपिकोनाजोल 200 मिली/एकड़ दर पर या हेक्साकोनाजोल 50% 400 मिली/एकड़ या वैलिडैमाइसिन 3एल 400 मिली/एकड़ या टेबुकोनाजोल 50% ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 80 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।

- जीवाणुज अंगमारी/जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में, स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (9%), टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड (1%) 200 ग्राम/एकड़ के साथ कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 200 ग्राम/एकड़ दर पर प्रयोग करें। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।
- पत्ता प्रध्वंस होने की स्थिति में बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम/एकड़ या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम/एकड़ पानी में मिलाकर छिड़काव करें। वैकल्पिक रूप से, बेल की 25 ग्राम ताजी पत्तियां या तुलसी की 25 ग्राम ताजी पत्तियां या नीम की 200 ग्राम ताजी पत्ते के निचोड़ का प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें जिससे रोग की घटनाओं को कम करने में मदद हो सकती है। साथ ही, ट्राइकोडर्मा विरिडे (न्यूनतम 106 सीएफयू) 2 किग्रा/एकड़ जैसे जैव नियंत्रक कारक का उपयोग किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।
- आभासी कंड के मामले में कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% (कोसाइड 202) 400 ग्राम/एकड़ या टेबुकोनाजोल 25% (फोलिकूर) 400 ग्राम/एकड़ दर पर बाली निकलने की अवस्था में छिड़काव करें। आभासी कंड के प्रभावी नियंत्रण के लिए छिड़काव को सात दिनों के अंतराल पर दोहराएं।
- जब 80-85% तक फसल पक जाए तो फसल की कटाई हंसुआ या कंबाइन हार्वेस्टर या रीपर का उपयोग करके करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी मात्रा सहित धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीज के उद्देश्य के लिए इसे 12% तक सुखाया जाना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए प्रत्येक किस्म को बिना मिलाए अलग.अलग पैक करें।
- धान/चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, सुपर ग्रेन बैग का उपयोग करें, जो लंबे समय तक वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को बनाए रखने में सहायक है या बेमौसम वर्षा के नुकसान से बचने के लिए कटे हुए धान को उचित रूप से बैग में रखें और ढेर को उपयुक्त रूप से ढक कर रखें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि चावल की खेती के सभी पहलुओं के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।
- जहां नमी की कमी के कारण धान की खेती नहीं की गई है, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेत की मिट्टी में उपलब्ध नमी का उपयोग करते हुए उपरीभूमि/मध्यम भूमि में कम अवधि वाली रबी पूर्व फसलें जैसे अमरांथस, रागी, कुल्थी, चना, उड़द, लोबिया, शकरकंद और तिल उगाएं।